

中国古典文化精华

# 随园诗话

◆〔清〕袁枚 著

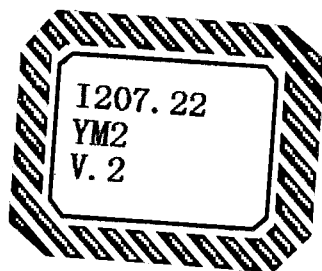


时代文艺出版社

中国古典文化精华

# 随园诗话

(下)



时代文艺出版社

## 目 录

## 卷一

|               |      |
|---------------|------|
| 文中寄志 .....    | (1)  |
| 诗在骨不在格 .....  | (2)  |
| 存其是去其非 .....  | (3)  |
| 落 第 诗 .....   | (3)  |
| 金公政简刑清 .....  | (4)  |
| 尹公作诗 .....    | (5)  |
| 六年人悔见公迟 ..... | (7)  |
| 切勿抄袭 .....    | (8)  |
| 关于乐府 .....    | (9)  |
| 声调的变化 .....   | (10) |
| 绝妙名联 .....    | (11) |
| 黄山谷诗 .....    | (12) |
| 受恩与否 .....    | (13) |
| 三才子才气逼人 ..... | (14) |
| 文风迥异 .....    | (16) |
| 高文良公夫人 .....  | (17) |
| 樊明徵赠诗 .....   | (18) |
| 句句精言 .....    | (18) |
| 释两家之憾 .....   | (20) |
| 女传奇遇 .....    | (20) |
| 自出新裁 .....    | (21) |
| 圣朝佳话 .....    | (23) |
| 以情赋诗 .....    | (24) |
| 以诗悼友 .....    | (25) |
| 洪升其诗 .....    | (26) |

## 卷二

|               |      |
|---------------|------|
| 诗才清警 .....    | (27) |
| 自知缘有旧 .....   | (28) |
| 诗重其性情 .....   | (29) |
| 宋之贤者 .....    | (30) |
| 唐翰林最荣 .....   | (31) |
| 名未必符实 .....   | (32) |
| 福薄生慧 .....    | (33) |
| 改诗难于作诗 .....  | (34) |
| 书巢长五古 .....   | (35) |
| 诗贵其有深意 .....  | (37) |
| 每出必携书 .....   | (37) |
| 陈蔚善文 .....    | (38) |
| 两地拜双星 .....   | (39) |
| 小姑嫁彭郎 .....   | (39) |
| 心有灵犀 .....    | (40) |
| 年少奇女 .....    | (41) |
| 传闻致冤 .....    | (41) |
| 收集佳句 .....    | (42) |
| 落笔不经意 .....   | (43) |
| 宋学太盛 .....    | (44) |
| 天下无如吃饭难 ..... | (44) |
| 以故事育人 .....   | (45) |
| 随园对联 .....    | (47) |
| 文章声价 .....    | (48) |
| 宗丞之梦 .....    | (49) |

|                 |      |                |      |
|-----------------|------|----------------|------|
| 留别诗六首·····      | (49) | 论 因 缘·····     | (74) |
| 史诗无新义·····      | (50) | 误嫁状元·····      | (74) |
| 曹学士言·····       | (51) | 诗赞恩师·····      | (75) |
| 先祖诗选·····       | (52) | 才子早逝·····      | (76) |
| 赋诗抒怀·····       | (53) | 席间赋诗·····      | (77) |
|                 |      | 仿 古 风·····     | (77) |
| <b>卷三</b>       |      | 咏农家乐·····      | (78) |
| 诗难事也·····       | (54) | 儒释名家·····      | (79) |
| 幸露语平安·····      | (55) | 诗也讲理·····      | (80) |
| 论爱《离骚》是否不祥····· | (56) | 子云好客·····      | (81) |
| 不能评第一·····      | (56) | 妄效古诗·····      | (81) |
| 诗称家数·····       | (57) | 过错在男不在女·····   | (83) |
| 各朝富贵诗·····      | (58) | 亡友存诗·····      | (83) |
| 吟杨花诗·····       | (59) |                |      |
| 妙在孩子语·····      | (60) | <b>卷四</b>      |      |
| 才女许宜嫔·····      | (61) | 身份不等,心胸不同····· | (85) |
| 预知中榜·····       | (62) | 智救故人子·····     | (85) |
| 俗不如雅·····       | (63) | 用成语作妙诗·····    | (87) |
| 应酬诗作·····       | (64) | 取其精华,弃其糟粕····· | (87) |
| 许太夫人诗·····      | (64) | 心在一丘·····      | (88) |
| 半路出家·····       | (65) | 大鲸爱才·····      | (89) |
| 益友情深·····       | (67) | 风趣的张璨·····     | (90) |
| 不袭窠臼,独树一帜·····  | (68) | 鹭洲先生诗作·····    | (90) |
| 齐侍郎美文·····      | (69) | 议黄昆圃·····      | (91) |
| 梁山舟作诗戏篁村·····   | (69) | 女人建功·····      | (92) |
| 改 诗 论·····      | (70) | 后宫轶事·····      | (93) |
| 刚柔相济·····       | (71) | 眼高手低·····      | (94) |
| 贤人留恋故地·····     | (72) | 文简谈画·····      | (94) |
| 忠臣与孝子·····      | (72) | 文贵在曲婉·····     | (95) |
| 闺秀能文·····       | (73) | 野外诗意·····      | (96) |

|                     |                     |
|---------------------|---------------------|
| 狂叟也羞愧····· (96)     | 行医与作诗····· (120)    |
| 弃商从文····· (97)      | 寻找不到的诗人····· (121)  |
| 福祸都因诗····· (98)     | 娘子秀才····· (122)     |
| 才女嫁俗商····· (99)     | 诗作相似不相识····· (123)  |
| 伶人刘三其人····· (100)   | 盲女王三姑····· (124)    |
| 记毕李之交····· (101)    | 扬州游····· (124)      |
| 记彭城李涓····· (101)    | 以“礼”劝太史····· (125)  |
| 诗经两不同····· (102)    | 少年吴文溥····· (126)    |
| 何苦来哉的诗····· (103)   | 身临其景····· (127)     |
| 相国救南田····· (103)    | 至死不和····· (127)     |
| 记女能诗者····· (104)    | 诗词谈····· (128)      |
| 风刮女子六千里····· (105)  | 苏州秀才····· (129)     |
| 论《声调谱》····· (106)   | 诗的意境····· (130)     |
| 论诗的悟性····· (107)    | 朗夫诗话····· (130)     |
| 宴庆雨二公子记····· (107)  | 和《春草》诗····· (131)   |
| 裘如璋····· (109)      | 各有所适····· (132)     |
| 遭到调戏的公子····· (109)  | 吟牡丹诗····· (133)     |
| 苦命的官····· (110)     | 明将军塞上诗····· (133)   |
| 布衣诗人····· (112)     | 记逸园主人····· (134)    |
| 论张夫人····· (112)     | 女司马相如····· (135)    |
| 知与不知····· (113)     | 厚积而薄发····· (136)    |
| 美妙的诗····· (114)     | 吊才女····· (137)      |
|                     | 好书之癖····· (138)     |
| <b>卷五</b>           | 小人贬东坡诗····· (138)   |
| 弟之佳句····· (115)     | 庸师妄评真才子····· (139)  |
| 得随园记····· (116)     | 学问不可空凿····· (139)   |
| 鄂公诗集传世轶事····· (116) | 作诗不可故作艰涩····· (140) |
| 阴阳分界····· (117)     |                     |
| 五斗米与诗····· (118)    | <b>卷六</b>           |
| 死后诗作得传世····· (119)  | 评王荆公····· (140)     |

|                 |       |                |       |
|-----------------|-------|----------------|-------|
| 陈密山观蚁诗话 .....   | (141) | 题《芝城话旧图》 ..... | (166) |
| 归隐诗话 .....      | (142) | 海南何梦瑶 .....    | (167) |
| 佳句不可抹 .....     | (143) | 晓堂妙诗 .....     | (167) |
| 棋艺与诗作 .....     | (143) | 太史夫人诗 .....    | (169) |
| 习惯定势 .....      | (145) | 题丽人像诗 .....    | (169) |
| 多能诗人青雷 .....    | (145) |                |       |
| 丁珠诗话 .....      | (146) | <b>卷七</b>      |       |
| 焚烧碑帖祭亡友 .....   | (147) | 叶书山佳句 .....    | (171) |
| 卢谟之《上渤海公》 ..... | (148) | 李晴江拜梅树 .....   | (171) |
| 风雅先生张茝亭 .....   | (149) | 方绮亭逸闻 .....    | (172) |
| 题诗《玉堂归娶图》 ..... | (149) | 随园朋友佳句 .....   | (172) |
| 霞裳佳句 .....      | (150) | 红颜可贵 .....     | (173) |
| 生活与作诗 .....     | (151) | 偶吟香亭 .....     | (174) |
| 作诗不能一概而论 .....  | (152) | 不求做官的二公子 ..... | (174) |
| 陈设古玩与运用典故 ..... | (152) | 题《红袖添香图》 ..... | (175) |
| 好诗有好韵 .....     | (153) | 随园赋诗 .....     | (176) |
| 词章与考据 .....     | (154) | 高太史 .....      | (177) |
| 一诗一典故 .....     | (155) | 诗之指点语 .....    | (177) |
| 赠拜访未遇者诗 .....   | (156) | 奇才渊如 .....     | (178) |
| 我的启蒙诗集 .....    | (156) | 题《散赈图》 .....   | (179) |
| 喝酒与买书 .....     | (157) | 王梦楼题同年诗 .....  | (179) |
| 记张漱石 .....      | (158) | 吴中诗人张玉穀 .....  | (181) |
| 忆唐公莪村 .....     | (159) | 四解露筋祠 .....    | (181) |
| 王安石改诗 .....     | (159) | 上天造人 .....     | (182) |
| 鸿儒转世 .....      | (160) | 失之交臂的诗人 .....  | (183) |
| 路遇 .....        | (161) | 难解乐府语 .....    | (184) |
| 辨生于末学 .....     | (162) | 诗文集之名 .....    | (184) |
| 八股与作诗 .....     | (163) | 铸造香得文理 .....   | (185) |
| 黎美周 .....       | (164) | 天籁与人籁 .....    | (186) |
| 墨禅和尚 .....      | (165) |                |       |

|              |       |               |       |
|--------------|-------|---------------|-------|
| 大将军爱诗 .....  | (187) | 英俊少年留佳作 ..... | (205) |
| 刘 芳 草 .....  | (187) | 描诗容易作诗难 ..... | (206) |
| 吴中闺秀多 .....  | (188) | 七十老儒写榜文 ..... | (207) |
| 别号非古 .....   | (189) | 诗中典故探 .....   | (208) |
| 诗歌的妙处 .....  | (189) | 新不如旧 .....    | (209) |
| 古 刺 水 .....  | (190) | 做官容易作诗难 ..... | (210) |
| 咏 月 .....    | (191) | 僧人佳句 .....    | (210) |
| 谢兴士纳宠 .....  | (191) | 快 阁 景 .....   | (211) |
| 诗贵真切 .....   | (192) | 游湖诵诗 .....    | (212) |
| 真的和假的 .....  | (193) | 才子遗篇 .....    | (212) |
| 云亭偶吟 .....   | (194) | 反戏忠勇公 .....   | (213) |
| 流连乡间 .....   | (194) | 悼 亡 友 .....   | (213) |
| 诗中见志向 .....  | (195) | 题庙堂诗 .....    | (213) |
| 黑麟志远 .....   | (196) | 诗人的不同运气 ..... | (215) |
| 叹语不及人 .....  | (197) | 诗人也逃学 .....   | (215) |
| 精雕细刻 .....   | (198) | 七旬老翁应试 .....  | (216) |
| 论成功之作 .....  | (198) | 汪 可 舟 .....   | (217) |
| 杜甫的随兴诗 ..... | (199) | 诗 诚 .....     | (217) |
| 许翠龄传 .....   | (200) | 邵明府佳句 .....   | (218) |
| 桐城程望川 .....  | (200) | 诗之意与语 .....   | (219) |
| 荷花生日记 .....  | (201) | 才 女 诗 .....   | (219) |
|              |       | 王弇州诗二首 .....  | (220) |
| <b>卷八</b>    |       | 看题行诗 .....    | (221) |
| 讽 世 语 .....  | (202) | 论 古 .....     | (221) |
| 戒 滥 评 .....  | (202) | 何南园诗 .....    | (222) |
| 箍桶匠之语 .....  | (203) | 恬淡添寿 .....    | (223) |
| 评 诗 讖 .....  | (204) | 沈周之诗 .....    | (223) |
| 录江西四子诗 ..... | (204) | 李香君荐卷 .....   | (224) |
| 何在田佳句 .....  | (205) | 同年挚友 .....    | (225) |

|              |       |              |       |
|--------------|-------|--------------|-------|
| 遇才结友 .....   | (226) | 启心山舟诗选 ..... | (251) |
| 当涂二公 .....   | (227) | 秀才清语 .....   | (253) |
| 奇人亮侪先生 ..... | (229) | 评曹廷枢 .....   | (253) |
| 人参换野菜 .....  | (230) | 俗语出名士 .....  | (254) |
| 张昆南佳句 .....  | (231) | 百岁老人 .....   | (255) |
| 济世先生传 .....  | (231) | 平圃咏竹 .....   | (256) |
| 正者拒妓 .....   | (233) | 撮合好姻缘 .....  | (256) |
| 名家贫时 .....   | (233) | 利涉长江之舟 ..... | (257) |

|            |       |
|------------|-------|
| 借名作诗 ..... | (258) |
|------------|-------|

|               |       |
|---------------|-------|
| 张宫詹和皇帝诗 ..... | (259) |
|---------------|-------|

## 卷九

|                |       |               |       |
|----------------|-------|---------------|-------|
| 布衣诗人 .....     | (234) | 胡女情长 .....    | (260) |
| 诗 功 .....      | (234) | 诗以对仗为工 .....  | (261) |
| 雅堂之诗 .....     | (235) | 雪村伤情 .....    | (263) |
| 落拓不遇的诗人 .....  | (236) | 秋潭以官卷为耻 ..... | (263) |
| 叔侄二诗人 .....    | (237) | 酒楼题诗 .....    | (264) |
| 大谢非小谢 .....    | (237) | 代 字 诗 .....   | (265) |
| 姑表二兄弟 .....    | (238) | 穆堂少年诗作 .....  | (266) |
| 淡雅桐城公 .....    | (239) | 冥中知己 .....    | (267) |
| 和《汉上题襟集》 ..... | (240) | 即席赋诗 .....    | (268) |
| 金寿门佳句 .....    | (240) | 对客挥毫 .....    | (268) |
| 题马湘兰墓 .....    | (241) | 宴席上的诗作 .....  | (269) |
| 尊唐贬宋遭戏 .....   | (242) |               |       |
| 翟灏学诗 .....     | (243) |               |       |

## 卷十

|                  |       |             |       |
|------------------|-------|-------------|-------|
| 任氏姐妹情 .....      | (244) | 无理小秀才 ..... | (270) |
| 诗词救名妓 .....      | (245) | 载菊之道 .....  | (271) |
| 察“江”“阳”之用法 ..... | (247) | 茗湄诗传 .....  | (272) |
| 察“丕”字通用 .....    | (249) | 游侠夏宝传 ..... | (272) |
| 感 诗 .....        | (250) | 学问之道 .....  | (273) |
| 自命不凡李竹溪 .....    | (251) | 作诗的名医 ..... | (274) |



|                 |       |                 |       |
|-----------------|-------|-----------------|-------|
| 孝廉王金英 .....     | (274) | 至爱言情 .....      | (297) |
| 谷原之诗 .....      | (275) | 光禄慰妻诗 .....     | (299) |
| 忆金志章 .....      | (275) | 风流少年 .....      | (299) |
| 咏 指 甲 .....     | (276) | 金陵秀才曹淡泉 .....   | (300) |
| 梁梦善诗 .....      | (278) | 题《抱铛图》 .....    | (301) |
| 张 瑶 英 .....     | (278) | 众人咏守节 .....     | (302) |
| 周青原佳句 .....     | (279) |                 |       |
| 相逢对面不相识 .....   | (280) | <b>卷十一</b>      |       |
| 旅馆题诗 .....      | (281) | 咏叹别离苦 .....     | (303) |
| 论隐居作 .....      | (281) | 勤奋尚书 .....      | (305) |
| 我的香亭 .....      | (282) | 弁山尚书诗记荒灾 .....  | (305) |
| 苦命的素文 .....     | (284) | 望之题《养鹤图》 .....  | (308) |
| 四妹诗选 .....      | (284) | 吴下张琦佳句 .....    | (308) |
| 忆堂妹秋卿 .....     | (285) | 不用冷僻的典故 .....   | (310) |
| 四妹轶事 .....      | (286) | 胡云坡忆随园诗 .....   | (312) |
| 太夫人寿宴诗 .....    | (287) | 题仙人诗 .....      | (313) |
| 爱猫成癖的督学 .....   | (287) | 梦中题诗 .....      | (314) |
| 河上泛舟 .....      | (288) | 巧配姻缘 .....      | (316) |
| “二 枚” .....     | (289) | 情深至挚,誓死不渝 ..... | (317) |
| 高袁诗情 .....      | (289) | 虞山六才子 .....     | (318) |
| 方 诗 .....       | (290) | 厉太鸿题扇 .....     | (318) |
| 与兰坡之交 .....     | (291) | 遗 失 恨 .....     | (319) |
| 故土寻旧,恍悟前生 ..... | (291) | 沈季堂五十献诗 .....   | (320) |
| 记 诗 会 .....     | (292) | 画法为亭 .....      | (320) |
| 安庆“二村” .....    | (293) | 秋试大会互赠诗 .....   | (321) |
| 贾、张风格 .....     | (295) | 南华应声赋诗 .....    | (322) |
| 镜伊诗佳人更佳 .....   | (295) | 上元灯词 .....      | (323) |
| 诗功海洋深 .....     | (296) | 书香巡抚家 .....     | (324) |
| 情不弃老 .....      | (297) | 韩幕卢传 .....      | (325) |

- 舟中自诵 ..... (326) 同门相和 ..... (342)  
 旷世奇才 ..... (327) 留别扬州 ..... (343)

坊间俗韵 ..... (344)

古诗通韵 ..... (345)

一杯清酒话松风 ..... (345)

姑母责郭巨 ..... (346)

“母牛”对“父马” ..... (347)

至交好友王卿华 ..... (348)

误解字义遭讥笑 ..... (348)

一字传神 ..... (349)

秦淮竹枝 ..... (349)

华 阳 行 ..... (350)

慧眼识诗 ..... (350)

戏仿重赴鹿鸣 ..... (351)

趣雅风俗 ..... (352)

盛名难符 ..... (353)

## 卷十二

诗人笔下出美景 ..... (327)

要使人人点头难 ..... (328)

自 嘲 诗 ..... (329)

咏诗拾趣 ..... (329)

富翁远走他乡 ..... (330)

笑世间残人 ..... (331)

为 人 难 ..... (331)

宝意诗集 ..... (331)

梦中题诗 ..... (332)

难得知己 ..... (332)

以诗论古 ..... (333)

题 面 诗 ..... (333)

西 湖 诗 ..... (334)

一字显境界 ..... (334)

佳诗难成 ..... (335)

嫁女挾婿 ..... (335)

一诗感夫归 ..... (336)

母女皆能作诗 ..... (336)

五十余年一首诗 ..... (337)

游文游台 ..... (337)

瞎眼诗人熊蔗泉 ..... (338)

未付梓的妙诗 ..... (338)

友陶西圃 ..... (339)

小记曾南村 ..... (340)

诗 境 ..... (341)

## 卷十三

幽 光 集 ..... (354)

不得志者诗 ..... (356)

东井诗韵 ..... (356)

题客小忆 ..... (358)

貌短小诗犹佳 ..... (358)

烛亭多情 ..... (360)

评李芋圃 ..... (361)

太老师与小门生 ..... (362)

宇情之《随园小集》 ..... (363)

其相精品 ..... (364)

枯瘦老僧刘南庐 ..... (365)

父子美少年 ..... (366)

|                |       |               |       |
|----------------|-------|---------------|-------|
| 雄奇杰出的李啸村 ..... | (366) | 吕 树 村 .....   | (388) |
| 夭折者的诗 .....    | (367) | 另一种说法 .....   | (389) |
| 沈澜典雅 .....     | (368) | 瓶花绝句 .....    | (390) |
| 学使追才子 .....    | (369) | 闺情入诗 .....    | (390) |
| 不与考据家论诗 .....  | (370) | 儿女之情 .....    | (391) |
| 修洁自好豫长卿 .....  | (370) | 升 官 图 .....   | (392) |
| 吕 守 曾 .....    | (371) | 怀 古 诗 .....   | (392) |
| 荒庙读诗 .....     | (371) | 瑞诗非良 .....    | (393) |
| 诗中的方言 .....    | (372) | 游山诗贵出 .....   | (394) |
| 多种解释 .....     | (373) | 名声之说 .....    | (395) |
| 空 青 草 .....    | (374) | 补《宋诗纪事》 ..... | (396) |
| 百年还身 .....     | (374) | 貌丑诗佳 .....    | (397) |
| 灵气难得 .....     | (375) | 羚羊挂角 .....    | (397) |
| 合肥才女 .....     | (376) | 谦谦二君子 .....   | (398) |
| 大士题诗 .....     | (376) | 少 而 精 .....   | (399) |
| 白发童生诗 .....    | (377) | 风尘奇士 .....    | (400) |
| 西湖遇秀才 .....    | (378) | 芳兰合体 .....    | (400) |
| 诗中作料谈 .....    | (379) | 诗之性情 .....    | (401) |
| 妙在空灵 .....     | (380) |               |       |
| 三揖学艺 .....     | (380) |               |       |
| 人各有趣 .....     | (381) |               |       |

## 卷十四

|              |       |                 |       |
|--------------|-------|-----------------|-------|
| 胭脂有泪 .....   | (382) | 泮林非半林 .....     | (405) |
| 编辑七病 .....   | (383) | “花旦”考 .....     | (405) |
| 回 文 诗 .....  | (384) | “结发”与“敛衽” ..... | (406) |
| 物的幸与不幸 ..... | (385) | 贵在考证 .....      | (406) |
| 犀 角 杯 .....  | (385) | 人言不足信 .....     | (409) |
| 父友子孝 .....   | (387) | 鸟语也可听懂 .....    | (410) |
| 英才童子 .....   | (388) | 催 妆 诗 .....     | (410) |

## 卷十五

|                  |       |
|------------------|-------|
| 场 屋 .....        | (403) |
| 谣 和 乐 .....      | (403) |
| “苜蓿”、“广文”考 ..... | (404) |

|                 |       |
|-----------------|-------|
| 泮林非半林 .....     | (405) |
| “花旦”考 .....     | (405) |
| “结发”与“敛衽” ..... | (406) |
| 贵在考证 .....      | (406) |
| 人言不足信 .....     | (409) |
| 鸟语也可听懂 .....    | (410) |
| 催 妆 诗 .....     | (410) |

|              |       |               |       |
|--------------|-------|---------------|-------|
| 幽清之诗 .....   | (411) | 啼笑之作 .....    | (433) |
| 以讹传讹 .....   | (412) | 收帆须在顺风时 ..... | (433) |
| 小小文书官 .....  | (413) | 潮 洲 行 .....   | (434) |
| 言外之意 .....   | (413) |               |       |
| 庙壁上题诗 .....  | (414) | <b>随园诗话补遗</b> |       |
| 天怜自怜 .....   | (415) |               |       |
| 太史考场作诗 ..... | (415) | <b>卷一</b>     |       |
| 两株弱共依依 ..... | (416) | 诗源于性 .....    | (436) |
| 老至识秋心 .....  | (417) | 多读为要 .....    | (436) |
| 天心难测 .....   | (417) | 开口乳要吃好 .....  | (437) |
|              |       | 雕 虫 .....     | (438) |

## 卷十六

|               |       |              |       |
|---------------|-------|--------------|-------|
| 小议唐诗 .....    | (418) | 接受别人难 .....  | (439) |
| 士大夫记 .....    | (419) | 诗的品味 .....   | (439) |
| 同届进士杨大琛 ..... | (420) | 纪 恩 诗 .....  | (440) |
| 诵诗做法事 .....   | (421) | 游陶然亭 .....   | (440) |
| 闻一道人 .....    | (421) | 境宽情广 .....   | (441) |
| 焚琴煮鹤 .....    | (422) | 灵隐寺观书札 ..... | (442) |
| 韞玉之诗 .....    | (423) | 金陵气运 .....   | (443) |
| 文帝问鬼神 .....   | (423) | 偶得望之佳句 ..... | (444) |
| 相知两才俊 .....   | (424) | 一枝独秀 .....   | (445) |
| 琴 余 集 .....   | (425) | 盛世诗坛 .....   | (446) |
| 进退两难 .....    | (425) | 遍寻方舟诗 .....  | (447) |
| 注释难为 .....    | (426) | 英年早逝 .....   | (448) |
| 转世报恩 .....    | (427) | 南 斗 集 .....  | (449) |
| 文武官记 .....    | (428) | 俗字入诗 .....   | (450) |
| 预 言 诗 .....   | (429) | 随园之由来 .....  | (451) |
| 通家之好 .....    | (429) | 木匣棺材 .....   | (452) |
| 惺惺相惜 .....    | (430) | 叶 眉 娘 .....  | (453) |
| 曹 剑 亭 .....   | (432) | 刚正幽默 .....   | (454) |
|               |       | 寡女哀丝 .....   | (455) |

## 卷二

喜见世交 ..... (456)

圭美玉润 ..... (456)

神交已久 ..... (457)

万吹楼遗稿 ..... (458)

少年得志 ..... (458)

玉函五言诗 ..... (459)

抱犊山人 ..... (460)

佳联几付 ..... (460)

帘钩诗 ..... (461)

随园留诗 ..... (461)

云南彭氏 ..... (462)

乐府今音 ..... (464)

闺阁才女 ..... (464)

不刻意求名 ..... (465)

宁楷女弟子 ..... (466)

喜得碑文 ..... (466)

壮志未酬 ..... (467)

圣医的性情诗 ..... (468)

异域风情 ..... (469)

秋夜寄友 ..... (470)

访明竹岩 ..... (472)

入人心者皆好诗 ..... (472)

宦海诗才 ..... (473)

禅中看诗 ..... (475)

义犬四儿 ..... (476)

诗贵近人情 ..... (476)

文笔性灵 ..... (477)

诗境贵高洁 ..... (478)

诗中幽境 ..... (479)

才女佳思 ..... (479)

诗之境界 ..... (480)

## 卷三

山情野趣 ..... (482)

节义伶人 ..... (483)

今诗三病 ..... (483)

路遇莫逆 ..... (484)

诗外有诗 ..... (485)

夜泛大明湖 ..... (486)

兄弟情谊诗中现 ..... (487)

精通禅理诗亦佳 ..... (487)

各有文格 ..... (488)

山野异人 ..... (488)

清慎勤 ..... (489)

诗作来源 ..... (489)

诗说打扮 ..... (490)

悔将半生付墨汁 ..... (493)

弟子说师 ..... (493)

才子佳句 ..... (495)

以诗交友 ..... (496)

## 卷四

太守父子 ..... (496)

晚泊 ..... (497)

隐者幽诗 ..... (497)

何谓真名士 ..... (499)

做官情趣在唐朝 ..... (500)

似村旧句 ..... (500)

|       |       |      |       |
|-------|-------|------|-------|
| 善人有后  | (501) | 天生无奈 | (522) |
| 诗以意为主 | (502) | 人弃我取 | (524) |
| 爱才如命  | (503) | 杂 记  | (524) |
| 强词争理  | (503) | 今生憾事 | (526) |

|       |       |
|-------|-------|
| 梦约方孝孺 | (504) |
|-------|-------|

|      |       |
|------|-------|
| 善体物情 | (505) |
|------|-------|

## 卷六

|         |       |           |       |
|---------|-------|-----------|-------|
| 生死祸福见于诗 | (506) | 随园先生文救命   | (527) |
| 仰慕者诗    | (507) | 四子来访      | (528) |
| 苏杭双才    | (507) | “门生”与“先生” | (528) |
| 失聪诗才    | (508) | 伊云林之佳作    | (529) |
| 慰祖遗稿    | (509) | 轶事趣闻      | (530) |

|      |       |
|------|-------|
| 联中佳作 | (530) |
|------|-------|

## 卷五

|       |       |
|-------|-------|
| 桃花潭绝句 | (531) |
|-------|-------|

|         |       |       |       |
|---------|-------|-------|-------|
| 春田佳句    | (510) | 凤书之诗  | (532) |
| 就医遇曾益   | (511) | 画铺读诗  | (532) |
| 一样桃花别样情 | (512) | 夫妇皆能诗 | (533) |
| 钱女幼诗    | (512) | 女 诗 人 | (534) |
| 人小诗佳    | (513) | 官风卑下  | (535) |
| 贞女绝句    | (514) | 京师三怪  | (536) |
| 太白后身    | (514) | 芭 蕉 露 | (536) |
| 金童玉女    | (515) | 重重春梦  | (537) |
| 壁 上 诗   | (516) | 钱竹初的诗 | (538) |
| 诗立于纸    | (516) | 三 不 出 | (540) |
| 眼前事物亦成诗 | (517) | 评随园集  | (540) |
| 一句总括十七史 | (518) | 司空诗记  | (541) |

|        |       |
|--------|-------|
| 奇丽川诗二首 | (518) |
|--------|-------|

|      |       |
|------|-------|
| 清才昆季 | (519) |
|------|-------|

## 卷七

|       |       |        |       |
|-------|-------|--------|-------|
| 暗中契合  | (520) | 紫荫山诗记  | (542) |
| 广 武 原 | (520) | 有志者事竟成 | (543) |
| 女子愁诗  | (521) | 朋友散记   | (543) |

|               |       |                |       |
|---------------|-------|----------------|-------|
| 诗僧巨超 .....    | (544) | 洵娴女子留佳句 .....  | (564) |
| 清新诗才 .....    | (544) | 家穷买书难 .....    | (565) |
| 四贤合璧 .....    | (545) | “多”字妙用 .....   | (566) |
| 曾宾谷偏喜唐音 ..... | (546) | 竹士写纤纤 .....    | (566) |
| 善诗者不说 .....   | (547) | 女秀才汪宜秋 .....   | (567) |
| 快哉叙旧论诗 .....  | (547) | 泰山之大 .....     | (568) |
| 公咏海 .....     | (548) | 奇丽女诗 .....     | (568) |
| 嘉兴逢鲁堂 .....   | (549) | 早秋即事 .....     | (569) |
| 少时自负能古文 ..... | (550) | 文靖登科 .....     | (570) |
| 记蒋心余 .....    | (550) | 自得之乐 .....     | (571) |
| 凭吊纤纤 .....    | (551) | 诗中画心 .....     | (572) |
| 女伶虞四官 .....   | (552) | 闺中佳句 .....     | (573) |
| 梦中得联 .....    | (552) | 师 论 .....      | (574) |
| 将军磨难 .....    | (553) | 才华意远 .....     | (575) |
| 哭忆亡子 .....    | (554) |                |       |
| 将军射虎 .....    | (555) | <b>卷九</b>      |       |
| 人贵自知 .....    | (556) | 帝王才质 .....     | (576) |
| 许红桥遗作 .....   | (557) | 金陵五才子 .....    | (577) |
|               |       | 和八十自寿诗 .....   | (580) |
| <b>卷八</b>     |       | 张松园九姬 .....    | (580) |
| 名臣之后 .....    | (558) | 游四川所吟 .....    | (581) |
| 德门有后 .....    | (559) | 断桥残雪 .....     | (582) |
| 烟瘴之地 .....    | (559) | 兄弟情长 .....     | (583) |
| 夫妇俱工诗 .....   | (560) | 陶山二友佳句 .....   | (583) |
| 泌园春 .....     | (560) | 纓楼居士神来之笔 ..... | (584) |
| 诸朋赠诗 .....    | (561) | 四海来诗 .....     | (585) |
| 席佩兰绝句 .....   | (561) | 族中之英才 .....    | (585) |
| 少女佳句 .....    | (562) | 别号说 .....      | (586) |
| 云凤致歉 .....    | (563) | 扇背赠诗 .....     | (587) |
| 马嵬题诗 .....    | (564) | 因袭吾诗 .....     | (588) |

|              |       |               |       |
|--------------|-------|---------------|-------|
| 转衰而盛 .....   | (588) | 天外有天 .....    | (596) |
|              |       | 女诗人的高见 .....  | (597) |
| <b>卷十</b>    |       | 远离尘世 .....    | (597) |
| 六朝诗风 .....   | (589) | 无题诗是好诗 .....  | (598) |
| 写景言情 .....   | (590) | 脱口而出 .....    | (599) |
| 荒唐亦可爱 .....  | (591) | 清官能断家务事 ..... | (599) |
| 宋人绝句 .....   | (591) | 耐溪雅致 .....    | (600) |
| 求官之祸 .....   | (592) | 长寿如是 .....    | (601) |
| 童趣无邪 .....   | (593) | 情深意切 .....    | (602) |
| 岂匏工五律 .....  | (593) | 没齿不忘之人 .....  | (602) |
| 刘熙即席赋诗 ..... | (594) | 梦访随园 .....    | (603) |
| 伤 故 人 .....  | (594) | 夫 妻 情 .....   | (604) |
| 王安石咏新法 ..... | (595) |               |       |



## 贾、张风格

李怀民与弟宪桥选唐人主客图，以张水部、贾长江两派为主，余人为客，遂号所咏为《二客吟》。怀民《赠人盆桂》云：“送花如嫁女，相看出门时。手为拂朝露，心悉摇远枝。”《送张明府》云：“在县常无事，还家只有身。随行一舟月，出送满城人。”宪桥《咏鹤》云：“纵教就平立，总有欲高心”“不辞临水久，只觉近人难。”《历下厅》云：“马餐侵皂雪，吏扫过阶风。”《送流人》云：“再逢归梦是，数语此生分。”二人果有贾、张风味。

### [译文]

李怀民和弟宪桥选《唐人主客图》，以张水部、贾长江两派为主，其他人为客；于是就称所咏的为《二客吟》。怀民写《赠人盆桂》说：“送花就像嫁女，出门时互相看看。手就像拂动朝露，心中愁苦摇动远方的树枝。”《送张明府》说：“在县衙里常没有什么事，回家只有一个人。只有一轮月亮随船走，有满城的人出去送行。”宪桥写《咏鹤》说：“纵然让它站在平地里，它也有想往高处飞的心。”“不怕站水边时间太长，只觉得靠近人太难了。”《历下厅》说：“马儿吃着已变黑的雪，门吏打扫着风吹落的荒叶。”《送流人》说：“再次在回乡的梦中相逢，几句话就会导致了今生的分离。”二人果然有贾长江、张水部的风味格调。

## 镜伊诗佳人更佳

余过大庾，邑宰袁镜伊欣然相接，自言倾想者三十年。同游了山，又亲送过梅岭。自诵《雪》诗云：“远近枝横千树玉，往来人负一身花。”《赠人》云：“雪调静听孤唱远，云程遥望一痕青。”本籍宣化，故有句云：“山排云朔从天下，水合桑沟入地无。”皆佳句也。镜伊名锡衡，乙酉孝廉。有勋贵过境，谦从殴伤平民，镜伊缚置狱中，取保辜限状。嗣后过者肃然。